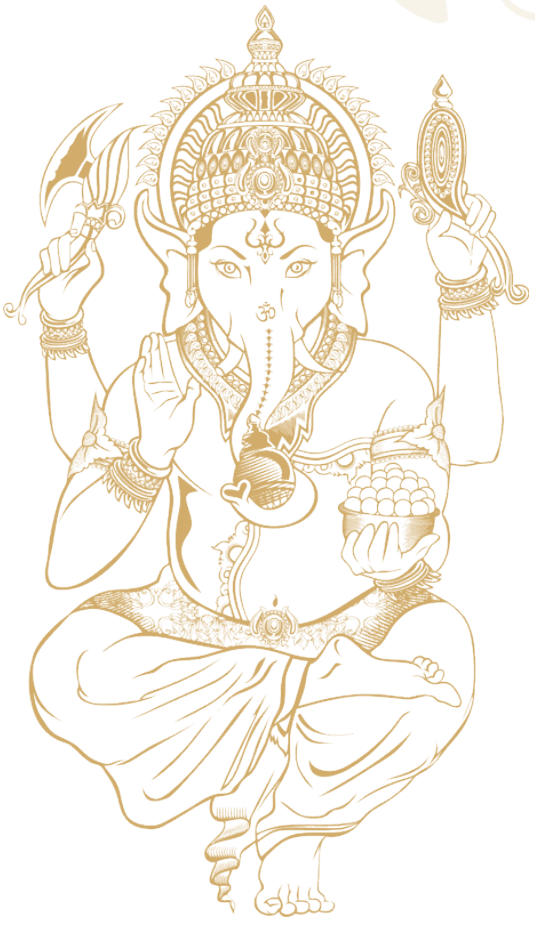

riddhima

07 Feb 2026

08:08 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121782503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/02/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:08:00 घंटे**
इष्ट	32:37:15 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:47:44 घंटे
वेलान्तर	-00:14:07 घंटे
साम्पातिक काल	04:58:39 घंटे
सूर्योदय	07:05:06 घंटे
सूर्यास्त	18:04:03 घंटे
दिनमान	10:58:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:36:07 मकर
लग्न के अंश	22:17:08 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:17:08	316:41:44	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मक	24:36:07	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	03:27:06	12:12:05	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	17:41:06	00:47:06	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	06:55:57	01:44:52	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:26:52	00:05:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	02:14:35	01:15:12	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:05:20	00:06:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:53:26	00:01:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:53:26	00:01:17	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:30	00:00:11	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:06:25	00:01:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:40:53	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	21:39:17	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

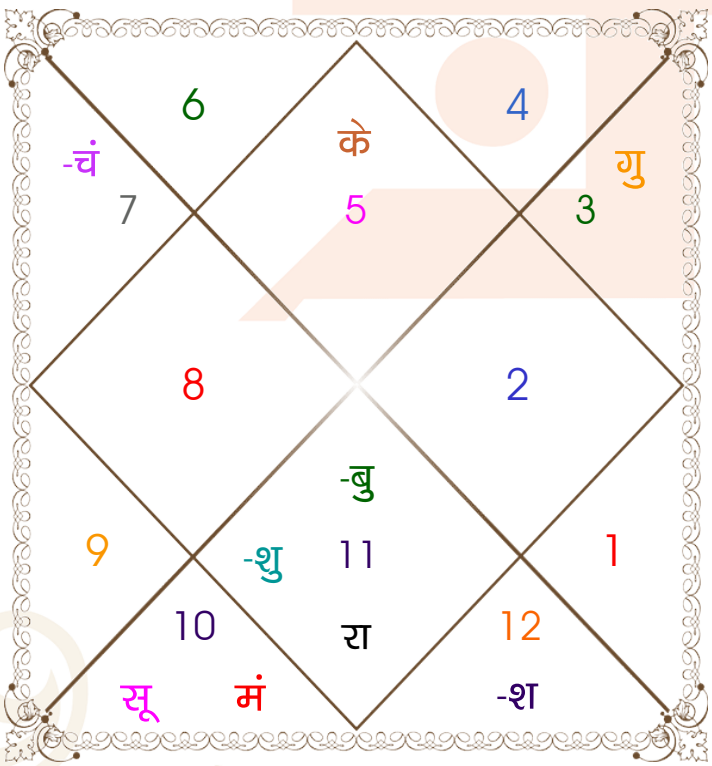

चन्द्र कुंडली

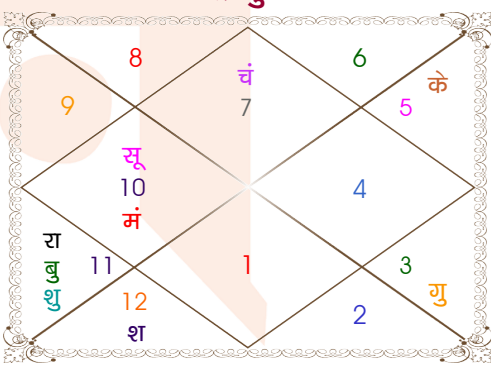

नवमांश कुंडली

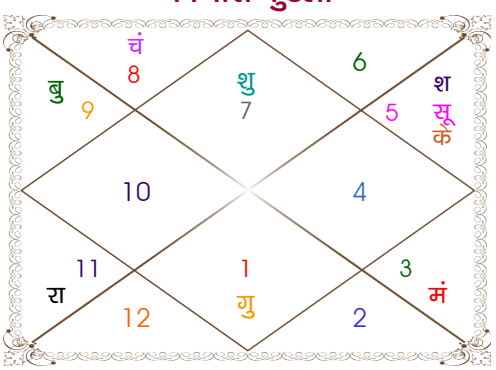

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 8 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/02/2026		17/10/2027		16/10/2045		16/10/2061		16/10/2080	
17/10/2027		16/10/2045		16/10/2061		16/10/2080		16/10/2097	
	00/00/0000	राहु	29/06/2030	गुरु	05/12/2047	शनि	19/10/2064	बुध	15/03/2083
	00/00/0000	गुरु	22/11/2032	शनि	17/06/2050	बुध	29/06/2067	केतु	11/03/2084
	00/00/0000	शनि	29/09/2035	बुध	22/09/2052	केतु	07/08/2068	शुक्र	10/01/2087
	00/00/0000	बुध	17/04/2038	केतु	29/08/2053	शुक्र	08/10/2071	सूर्य	16/11/2087
	00/00/0000	केतु	05/05/2039	शुक्र	29/04/2056	सूर्य	19/09/2072	चंद्र	17/04/2089
	07/02/2026	शुक्र	05/05/2042	सूर्य	15/02/2057	चंद्र	20/04/2074	मंगल	14/04/2090
शुक्र	10/11/2026	सूर्य	30/03/2043	चंद्र	17/06/2058	मंगल	30/05/2075	राहु	31/10/2092
सूर्य	18/03/2027	चंद्र	28/09/2044	मंगल	24/05/2059	राहु	05/04/2078	गुरु	06/02/2095
चंद्र	17/10/2027	मंगल	16/10/2045	राहु	16/10/2061	गुरु	16/10/2080	शनि	16/10/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/10/2097		17/10/2104		17/10/2124		18/10/2130		17/10/2140	
17/10/2104		17/10/2124		18/10/2130		17/10/2140		00/00/0000	
केतु	14/03/2098	शुक्र	17/02/2108	सूर्य	04/02/2125	चंद्र	18/08/2131	मंगल	15/03/2141
शुक्र	15/05/2099	सूर्य	16/02/2109	चंद्र	05/08/2125	मंगल	18/03/2132	राहु	03/04/2142
सूर्य	19/09/2099	चंद्र	18/10/2110	मंगल	11/12/2125	राहु	17/09/2133	गुरु	10/03/2143
चंद्र	20/04/2100	मंगल	18/12/2111	राहु	05/11/2126	गुरु	17/01/2135	शनि	17/04/2144
मंगल	17/09/2100	राहु	17/12/2114	गुरु	24/08/2127	शनि	17/08/2136	बुध	15/04/2145
राहु	05/10/2101	गुरु	17/08/2117	शनि	05/08/2128	बुध	17/01/2138	केतु	11/09/2145
गुरु	11/09/2102	शनि	17/10/2120	बुध	11/06/2129	केतु	18/08/2138	शुक्र	08/02/2146
शनि	21/10/2103	बुध	18/08/2123	केतु	17/10/2129	शुक्र	17/04/2140		00/00/0000
बुध	17/10/2104	केतु	17/10/2124	शुक्र	18/10/2130	सूर्य	17/10/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।